3

चित्रांकन/मुखाकृति चित्रण

लक्ष्य

अधिकतम समानता के साथ एक मानवीय चेहरा बनाना।

परिचय

चित्रांकन ललित कला की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रोचक शाखा है। पोर्ट्रेट पेंटिंग में किसी व्यक्ति की हूबहू समानता को चित्रित करना शामिल है। इसे लाइन कलर टेक्सचर और शेडिंग की मदद से किया जा सकता है। चित्रांकन की मुख्य विशेषता चेहरे का आकार है। यह गोल, अंडाकार, चौकोर या आयताकार हो सकता है। मनुष्य के चेहरे पर मुख्य रूप से दो आँखें, दो भौहें, एक नाक, दो कान और एक मुँह होता है। चेहरे को तीन भागों, माथा, मध्य (गाल वाला भाग) और अंतिम भाग (होंठ, जबड़ा और ठुड्डी) में बाँटा जा सकता है। हर इंसान का चेहरा एक-दूसरे से अलग होता है; विभिन्न लोगों के आकार की भिन्नता के कारण होता है। चित्रांकन में कोई भी चेहरा उसे बनाने वाले कलाकार के चित्रांकन के दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। जब किसी चेहरे को चित्रांकन से देखा जाता है, तो कलाकार उससे जो देख सकता है उसके अनुसार अलग-अलग कोणों से चित्रित किया जाएगा।

इसी तरह, जब अलग-अलग तरीके से चेहरे को देखा जाता है, तो उस व्यक्ति में चेहरे को अलग-अलग आँखों के स्तर पर चित्रित किया जाएगा, यानी ऊपर से, एक चेहरा सिर के हिस्से से अधिक ढँका हुआ होगा, और नीचे से, एक चेहरा ठोड़ी से माथे तक देखा जा सकता है; सिर का अनुपात दिखाई नहीं देगा। चित्र या तो सीधे बनाए जा सकते हैं या किसी व्यक्ति की किसी तस्वीर से बनाए जा सकते हैं।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- चेहरे का आकार बनाना सीखेंगे;

- मानव चेहरे की विशेषताओं के बीच अनुपात और समानता जानेंगे;
- दो चेहरों के बीच उनकी विशेषताओं, आकार और संरचना के अनुसार अंतर कर सकेंगे;
- जो आधार उनके स्वरूप को अलग करती है, उन्हें पकड़ सकेंगे;
- मानव चेहरे को विभिन्न माध्यमों, जैसे- पेंसिल, पेस्टेल रंग, जल रंग, तेल रंग आदि में चित्रित कर सकेंगे;
- हाव-भावों को चित्रित कर सकेंगे;
- चेहरे की मूल संरचना तैयार करने में आँखों के स्तर के महत्व को सीख सकेंगे;
- मानव चेहरे की अनूठी विशेषताओं के बारे जान सकेंगे।

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर का मुखाकृति बनाना (पुरुष चित्र)

आवश्यक सामग्री : 2बी, 4बी, 6बी पेंसिल, आप चारकोल पेंसिल, कागज, इरेजर आदि।

चरण 1: रवीन्द्रनाथ टैगोर की फोटो को ध्यानपूर्वक देखें। एक 2बी पेंसिल या कोई हल्के रंग की पेंसिल लें और चेहरे की रूपरेखा बनाएँ। आपको चित्र के सकारात्मक और नकारात्मक स्थान का अवलोकन करना होगा। चेहरे वाले भाग को सकारात्मक स्थान तथा शेष रिक्त स्थान को नकारात्मक स्थान कहा जाता है।

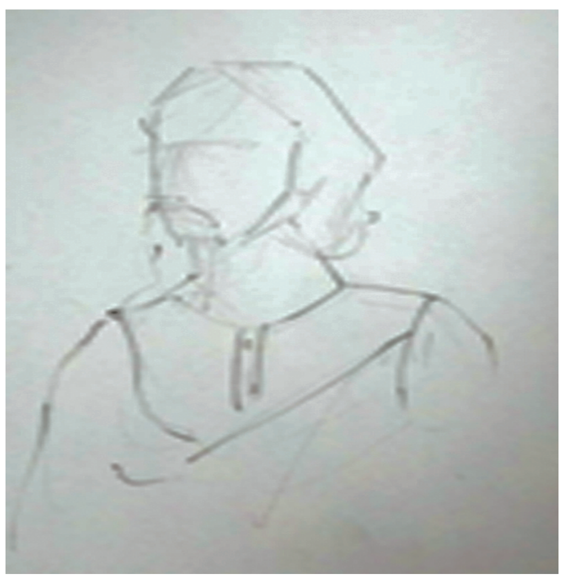

चित्र 3.1

चरण 2: अगले चरण पर जाएँ, चेहरे की विशेषताएँ बनाएँ और उन्हें विकसित करें। पहले प्रत्येक रेखा का निरीक्षण करें और क्रमिक रेखा को पिछली रेखाओं से सही दूरी पर रखें। इसके लिए आप स्थान को ध्यानपूर्वक ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज रेखाओं से विभाजित कर सकते हैं।

चित्र 3.2

चरण 3: छाया और प्रकाश के स्रोत का अवलोकन करें और चित्र को अत्यधिक चमकीले भागों से छायांकित करें। खाली भाग जहाँ प्रकाश सीधे पड़ता है जिसे हाईलाइट शेड कहा जाता है उसे 2बी पेंसिल से समान स्ट्रोक से बनाएँ। चेहरे की विशेषताएँ, जैसे- आँख का भाग, नाक के किनारे और नाक के नीचे का रंग माथे, आंख, नाक, गाल जैसे उभरे हुए हिस्सों की तुलना में अधिक गहरा दिखाएँ।

चित्र 3.3

चरण 4: अब रवीन्द्रनाथ टैगोर का चित्र पूरा करें।

अपने चित्र को पूरा करने के लिए अर्ध-अंधेरे भागों के लिए मध्यम टोन का उपयोग करें। अत्यंत गहरे भाग में गहरे रंग का टोन (6बी पेंसिल का उपयोग किया जाए)। दी गई तस्वीर में, बाल और चेहरे के नीचे का हिस्सा, आंख का सॉकेट बेहद काले हिस्से में हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का पूरा हुआ चित्र (चित्र 3.4 देखें)।

चित्र 3.4

2. अमृता शेरगिल का मुखाकृति बनाना (महिला चित्र)

आवश्यक सामग्री : पेंसिल रंग, पेंसिल, कागज, रंगीन पेंसिल, रंग आदि।

चरण 1: एक हल्के रंग की पेंसिल ले और चित्र की रूपरेखा बनाएँ। पहले चित्र के अनुसार सकारात्मक (भरा हुआ) और नकारात्मक (खाली) स्थान का अवलोकन करें। (चित्र 3.5 देखें)

चित्र 3.5

चरण 2: अब गहरे रंग की पेंसिल से आउटलाइन दें। (चित्र 3.6 देखे)

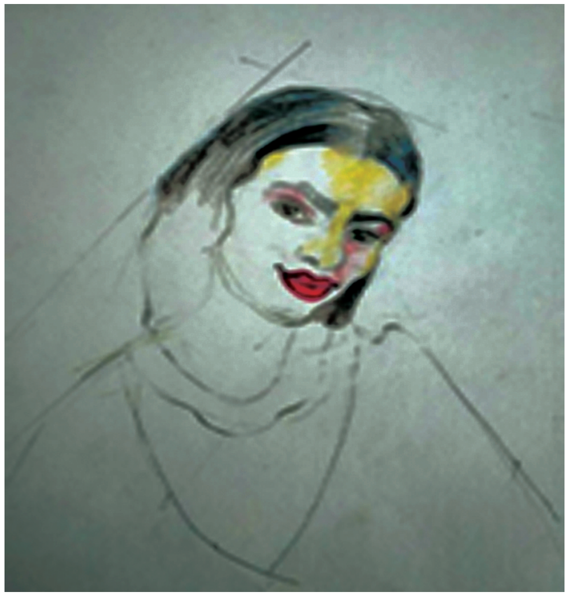

चित्र 3.6

चरण 3: त्वचा के रंग के सबसे हल्के टोन या उपयोग किए जाने वाले हल्के रंगों से शेडिंग शुरू करें। यह तभी संभव होगा जब आप चित्र 3.7 को ध्यान से देखेंगे।

चित्र 3.7

चरण 4: हल्के स्ट्रोक लगाने के बाद, प्रकाश के स्रोत को छोड़कर, आप गहरे रंगों का उपयोग करना शुरू कर दें; इस स्थिति में, यह गहरे पीले या नारंगी रंग अथवा त्वचा के रंग का होगा और चित्र को पूरा करें। अमृता शेरगिल का चित्र पूरा हुआ (चित्र 3.8 देखें)।

टिप्पणियाँ

चित्र 3.8

आपने क्या सीखा

- चित्र बनाना एक सोच-समझकर किया जाने वाला किंतु अत्यंत आनंददायक कार्य हो सकता है।
- विशिष्टताओं को चित्रित करने के लिए रेखाएँ और उनका स्थान बहुत महत्वपूर्ण है।
- अधिकतम प्रभाव पाने के लिए रंगों में स्पष्ट अंतर होना चाहिए।
- स्ट्रोक एक ही दिशा में होना चाहिए।
- प्रकाशित क्षेत्रों को छोड़कर पहला कोट हल्का और सावधानी से होना चाहिए।
- हल्के मध्यम और गहरे टोन को एकरूप करना ताकि वे पूरी तरह से गायब न हो, यानी अंतिम तस्वीर में वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

पाठांत प्रश्न

1. पेंसिल के रंगों से एक बच्चे का चित्र बनाएँ।
2. किसी प्रसिद्ध व्यक्तित्व का चित्र बनाएँ और जल रंग के प्रयोग से उसे पूरा करें।
3. एक महिला का प्रोफाइल बनाएँ।
4. सामने के भाग को दर्शाते हुए एक चित्र बनाएँ।